

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 264

नहीं बचेगा नागा राज



नागा राज
का एन ए स्टाइल

eComic

जब घुणा, भय और दर्द जाती है तो बस आस को लिफ्ट सके ही चीज बन सकती है। अपने दुश्मन का स्वतंत्र दुश्मी बनने की तलाश में है, मिस किलर। उसको चाहिए नगरपालिका का बज्र। जो उसके दिम की आस बुरा लके। और मिस किलर दुनिया को दिखाए-दिखाकर बता सके कि...

नहीं बचेगा नागराज

संजय गुप्ता
की पेशकश

कथा १
जोषी विद्या

चित्रः
अनपन्न सिल्पा

सुकिंनः
विनंद कमार.

सुखेति सर्वं रंजं सर्वोत्तमः
सुखीति पापहृत्.

सत्यावृत्ति :
महीच गुप्तः

जागरण से मेरी जिन्दगी का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट फैल कर दिख : ' मेमोरी ट्रांसफर प्रोजेक्ट ' के जरिए मैं हर देश के राष्ट्रपति की मेमोरी को मुझ तक अपनी सुलभ बना सकती थी : सभी दुनिया पर राज कर सकती थी : 🌟

मेडिकल स्टेशन पर ले बिता
बुलान बीच में टपकतार मेरी छोड़
ओ ही मार डालने ! अब उसको
मरना होगा ! ...

... मरना होता लगभग
को ! और उसको मरना
चह !

मेरा अब तक का सबसे घातक
आविष्कार! करेंटी सूट! और
इसको पहनेवाला, डांकुनाद!
जागराज ने तेरी मेसोरी साफ करके
सूक्ष्म पर सूक्ष्म अहसास किया है! अब
मेरे तेरे विस्मय में जो चाहें वो भर
सकती है!

पढ़ल इसको और जाकर
स्वप्न कर दे जागराज को!

करेंटी की वैज्ञानिक
डाकियों के आगे जागराज
की सर्प डाकियों को मिर
भुकावा ही होगा! आ, और
जागराज की लाडा मेकर
आ!

लकड़वा! लेकिन बड़ा
नहीं कर सकता कि स्वप्न
लकड़वा या दुकड़ों-दुकड़ों
में!

महानगर में- ये क्या है,
राज? अब
तक तुम कंप्यूटर पर सूक्ष्म
फाइल तक नहीं खोल
पाए! मेने जास कैसे करेक?
सैडम तो तुमको लैकरी में
ही लिकाल देंगे!



अब मे सैडम ने
लकड़वा राइटर्स की अवाइ
कंप्यूटर लकड़ा दिन है, सबसे
कूपरसभ में ही नहीं आता
लिखा!



ठीक है!
दफ्तर की लीन
भी लगी डिस्कन
कर लेंगे।

तुम मेरे साथ नहीं सजक तो
नहीं कर रही हो डिस्कन; ये जल्द
लिफ्ट आना मुझे क्या
पता लगा!



किसी भूतप्रेत से भय
रहता सज; लिफ्ट इसारी
कंप्यूटर सिस्टम प्रजापति सिनेज
समझन का बेदा है; और अचानक तो
यह है कि सिनेज समझन अचानक
अपले बेटे लिफ्ट से चूककर ही कसती है।

गुरु!

लिफ्ट कलह कंप्यूटर
का दीकाल था-

आज कुछ बड़ा है अंकल
सर्वर, या नहीं?



सकल समझना है; पुलिस
डिपार्टमेंट से जली- अभी कंप्यूटर
कबाहू लगीदकर लाज है; किसी
सिम किलर कास की अचानक
से जलन किता हुआ सज है; तुम
चोक कर लो; अगर तुम्हारे सगल
की कोई चिप होनी तो सलने
दास सज दूंगा!

ओ- के- अंकल!
अभी चोक करता हूँ।

कैसे ल; क्या चिप है;
लेने कंप्यूटर पार्ट्स तो सलने पहले
करी वेचने ही नहीं; सिम किलर
अंटी तो कंप्यूटर जीवित सगरी
है; लेकिन मेरे सिम ये लारा
साला बेकार है; पता नहीं मेरी
चिप के बारे में मैं समझ
पाऊंगा या...

... आसस ऊ!



क्या हुआ, लिफ्ट?



कु... कुछ नहीं
अंकल; लकड़पि
सुभ राहू थी!

अदभुत चिप है!
आठ बोल रहा है! सच बोल तो अंकल
मझे तो करेट लारा इसका दास नदा देगे;
या; यह भी इस चिप इसको तो चोक करता
से;

और छोड़ी
देर बाद-

असह्य हा ! मत नो कर रहा है कि
घर जाकर अपनी मिली लैब में
तुरन्त इस थिए की टेन्टिंग शुरू कर
दूँ ! लेकिन आज जित्दारी का पहला
दृष्टान्त मिला है !

पहले कुछ
स्मन्दा पोकेट
मनी काम लूँ !
फिर टेन्टिंग
करते मैं नया
मज्जा अवसा !

झोड़ा
ही-

अब इस फाइल में जोमला
मिलेगी : ठीक है, राज
अंकन !

हां, हां,
लकड़म
ठीक है !

सिल्लू मधुसूध जीजिणस
है ! कंप्यूटर के बारे में इसको
काफी जानकारी है !

अब टेन्टिंग ! ये... अरे ! ये...
ये क्या हो रहा है ? झायद
कंप्यूटर में कोई बाधरन घुस
गया है ! बर्न अऊर मेसेल्स
की तरह घूमने लगे !

ये बाधरन नहीं, कुछ
और ही है !

सिल्लू,
बचो !
कंप्यूटर की स्क्रीन वूट गई है, और उसके अन्दर
से कणों की लक रहस्यमय बीजधर बाहर आ रही है !



और अब ये क्या
सक सिद्धित आकार
ले रहे हैं? क्या है
ये सुरक्षित?

मैं हूँ करेदी! और
समस्त के करीबी समझे
आने वाले इस भवती कल्प-
निकेडॉल की लड़ाई में
चैम्पियन होगी समस्त को!

जैसे मैं इस दुमारा के दुकड़े-
दुकड़े करने आ रहा हूँ! ठीक वैसे
ही, समस्त के चिधड़े-चिधड़े
कर दूंगा!



ओफ! लक और चैम्पियन! और
बहु भी चढ़ा पर! चढ़ते मिलन को
सुरक्षित स्थल पर पहुँचाया होगा!



ओ! यहाँ पर दो लोहा भी मौजूद हैं! अच्छा है ये नागराज को मेरी इन्जिनियों का आँखों देखा हथियार सुनामोंगे! अगले की कोड़िया मत करो!

ओफ!
इसने तो बाहर जाने का स्पॉन्स रास्ता रोक दिया

सितम् के सामने मैं नागराज नहीं बूझ सकता! और यहाँ पर इसको अकेला छोड़ भी नहीं सकता!



सक नास्ता सितम्, जोचे कुद जाओ!

यह कण कर के है राज अकलर एल्यार ये आध दर के सारे भूल गल कि इस वकन हम पछीसवीं सजिल पर हैं!

ओ! सला किया था कि भाइया मत! मेरी इन्जिनियों छान से दोस्त! अगर नागराज यहाँ आ गया तो खुद देख लोया बली न नागराज तक करेदी की इन्जिनियों की कमेंटी पहुँचाया!



मुझे पता है! लेकिन नागराज की नजर हर वकन, हर जगह रहती है! वह तुमको बचा सेंगे!

तुम्हारे पीछे-पीछे मैं भी आ रहा हूँ!

अंकल!



आसस ह!

मैं इससे इसी बार की उम्मीद कर रहा था!



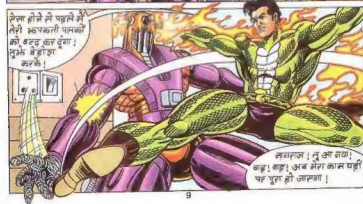
करेंदी बड़े आराम
से तबाली सधा रहा था-

मुझे सिर्फ इस 'मोकेट'
में अपने तार घुमाने हैं।
और मेरा करेंट इन तारों
में पहले से बड़ा रही बिजुत
धारा के साथ मिलकर
बोल्डोज को बड़ा देगा, और
इस इमारत के सारे बिजुत
उपकरण पाँचकों की तरह
फटने लगेंगे!

मेने!



और हाई बोल्डोज
से तारों में जो आवा
लगेगी वह पलक
भरकर ही पूरी
बिल्डिंग में फैलकर
इस इमारत को राख
का ढेर बना देगी!



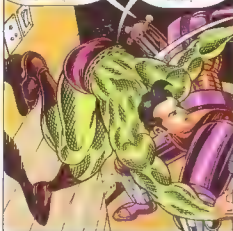
ऐसा होने से पहले मैं
तेरी भरपकती पलकों
को बन्द कर दूँगा!
तुझे बेहोश
करके!

मगराज! तू ओ गधा!
काह! काह! अब मेरा काम यहीं
पर पूरा हो जाएगा!

बर्सा तुम्हें दुर्गुल काम करना पड़ता : एक बार नवाही फैलाही पड़ती और दूसरी बार तुम्हें साप से आना पड़ता

अब तुम्हें आने-जाने की तकलीफ उठाने की जरूरत नहीं है, न यहां से सिर्फ जेल तक आना

नू मेरे साथसे पकड़ भी नहीं दिक गंगा नारायण, तुम्हें मैं राख कर दूँगा : राख :



मेरी बिध ठाकिलो यम नहीं हूँ पर असर करोही छ नहीं, लेकिन एक ठाकिल हूँको तुम्हें मेरे काम में ला सकती है :



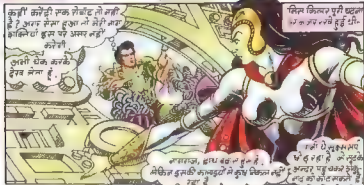
मेरी सम्मोहन, मेरी आवाज से देखो ठाकिल : और मैं देखो :



ओह, सम्मोहन केअसर रहा : पर क्यों ?



उंऊनह उंऊ ऊंऊंऊ का दिसन मिस कितर के बड़ा मे छ : फिर वह सम्मोहन कैसे होता ?



कहीं कोई ही एक लेबोर्ट तो नहीं है ? अगर ऐसा हुआ तो मेरी माता कबिलेवाँ हथियार पर असर नहीं करेगी।

अभी घेक करके देख लेता हूँ।

सिमा कितना पूरी छतना
उस पर गहरे दुर्घटनी-

तभी ये मुकमल पर
धे दु रहा है मे मुट के
लेकिन इसकी कान्ठदूरी से कुछ निकल नहीं
रहा है।



हांकुलद को मुकमल पर
मे बचाना होगा।



तुम आगे ही पया।

नू मुकम पर मुकमल पर
रहा है मे समझ रहा
लेकिन मेरे मुट में हई तोनेज
करेंट का एक अटका लगने
ही मेरे मेरे मर्द राग में बुरा
कर रहे

इस मुट के अन्दर जलर कोडु
बुझान है। रानी मेबोट को मेरे मर्दों
से बचाने की जरूरत ही नहीं पड़नी।



अब मैं इस मुट को तोड़
कर इसके अन्दर के दुश्मन
को बाहर निकालूंगा।

हूँ हूँ हा! तेरे ध्वंसकारण
मेरे मुट को हई तोड़ सकते
नागराज ! लेकिन...

... मैं तेरे बदन को फाड़कर
में बदल सकता हूँ !



ओह ! अगर ये इलेक्ट्रिक डोंक
मुझे मारा जाता तो मरचमुर में
सिधड़े उड़ जाते !

लेकिन इस डोंक से मुझे कंटा
को डोंक सबसे कागज का
दिखा है एहसे इन मरिछों को
उखाड़ना ..



और फिर इन्हें
आल की तरह
फेंकना

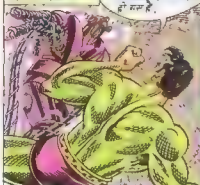
इस मरिछ, कंटेनर के हथों में आ चुके .

और फिर - दोनों मरिछों का उस
मरिछ का आकार में मरिछ होने
की -



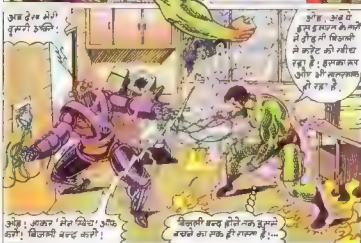
करौटी के डायर से निकालनी
चिगापिचो दे पूरे कसरे को
रो डान कर विरा-

अहो! येन ही डायर, अहो
मेने मेरा छ, करौटी के मूट
के सरे मेकिट अहम मे डौट
हो मर है



मरका हो गइ है
करौटी की डायर

करौटी की डायर मर
डायर मरका हई है, मरका
करौटी मर मरका की डायर



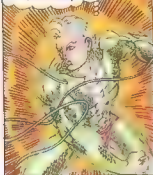
अहो दे म मेरी
वृमगी डायर!

अहो, अहो ये
हम डायर के मर
मे डौट नी बिजली
मे करौटी को गीर
रहा है! हमका मर
और भी मरका
हो रहा है

अहो! अहो 'मेने मेकिट' अहो
मर! बिजली मरका करौटी!

बिजली मरका होने तक डायर
मरने का एक ही मरका है!...

... कि मैं कुछ धारणाओं को प्रयोग करने...



इसी वक़्त, महाश्वर की मेज और डिस्क के कंप्यूटर में...



सह! भारती कम्युनिकेशंस में कुछ भारी गड़बड़ चल रही है! वहाँ से पॉवर काट देने की रिक्वेस्ट आई है!

मैंने उससे कहा कि वह पॉवर लाने के लिए पॉवर की लाइन से काटने मत देई है!

मैं तो जैसे भी उस पूरे इलाके की पॉवर काटने आ रहा था...

लेकिन लाने में कुछे समय कायूटर हल में सिस्टम में। कामेंड नहीं मान रहा है। कहीं वीर में से केबल काट डालेंगे



किर इस कुछ नहीं कर सकते



भारती कम्युनिकेशंस अब की दुमाल में...



कोई का की जा चुकी है सर, केबल हार्ड होकर भाग हो गया है! और उसको किसी अजीब से चुंबकीय क्षेत्र में घेर हुआ है!

हम उसको काट नहीं पा रहे हैं!

क्या हुआ लक्ष्मी...

ये ईमानदार राख का डेर बलने वाली है, मिलापू: और उस राख में लावारज के बल की राख भी शामिल होगी, कोई भी नाम का एक सुपर बिलेन पॉवर हाऊस से बिजली गींचकर लबाड़ी फैला रहा है। और पॉवर हाऊस वाले का कंप्यूटराइज्ड सिस्टम उनके आँखों पर काम नहीं कर रहा है। मैं कंप्यूटर सफाई होकर भी कुछ नहीं कर पा रही हूँ तुम यहाँ से भागो।

सबसे पहले मैं यॉक हाऊस के कंप्यूटराइज्ड सिस्टम में घुसूँगा, और देखूँगा कि वह मेरा आँखों से क्या कर रहा है।

ये रहा पॉवर हाऊस का कंप्यूटर सिस्टम, मिलापू की दुकानियों की बंदूक पर नेजी ने दो बंदूक लगीं-

लेकिन- ओक, कोई नए और अन्धधुनिक कंप्यूटर प्रोग्राम पॉवर हाऊस के कंप्यूटर सिस्टम को मेरा आँखों से रोक रहा है और मैं उस प्रोग्राम के बारे में कुछ भी समझ नहीं पा रहा हूँ, जकार ये प्रोग्राम बलने वाला कोई जीनिटम है इस कंप्यूटर पिप के बलने वाले जीनिटम की तरह जिसे मैं खरीदकर... ओह!

अचानक मिलापू की आँखें धमक उठीं-

ओह- अब मैं इस पिप के माध्यम से पॉवर हाऊस के कंप्यूटर सिस्टम में घुसूँगा, डाइट इसका प्रोग्राम उस अन्धधुनिक प्रोग्राम की कंट्रोल खतित हो पाएगा।

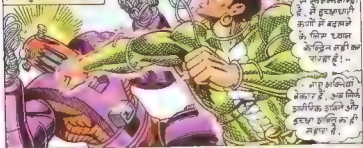
चलो, मिलापू हो रहा गरीबों में-

बस, एक मिनट और, मम्मी!

एक मिनट, मम्मी! एक मिनट, मुझे भी एक कॉलिंग कार लेके दो न.

ओं के! लेकिन जान्नी! अगर फैमली का रही है

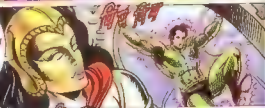
सागराज, कटोरी में लक
हारती हुई बजी लड़ रहा था-



असह्य है!
तुम कटोरी कटोरी
में अकलमत्ता नही
में दुच्छाछापी
कणों में बदलने
के लिए ध्यान
केन्द्रित नही कर
पा रहा है! ..

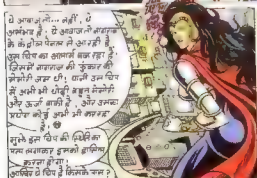
... नारा अग्निवा
बेकार है, अब सिर्फ
कटोरीक अग्नि और
दुच्छा अग्नि का ही
सहारा है.

हा हा हा! तुमको मरना
देसने में बड़ा मज आता
है, सागराज कटोरीक लुट
जल्दी नहीं, बल्कि नष्ट
नष्ट कर मरना चाहता है
उसे, ये आकाश कैसी
है?



ये आकाश तो... नहीं, ये
असंभव है. ये आकाश तो सागराज
के कंट्रोल्ड पैलास से उड़ रही है.
तुम चिप का आकार बज रहा है.
जिसमें सागराज की कुंआर की
मेसोरी उड़ रही थी. यानी तुम चिप
में अभी भी छोटी बहिन मेसोरी
और ऊर्जा बाकी है, और उसका
प्रयोग कोर्बु अभी भी कर रहा

तुम्हें इस चिप की स्थिति का
यत्न लगाकर इसको हाफिया
करना होगा!
अबियर ये चिप है किसके नाम?



चिप जिसके पास थी. इसकी
उपस्थिति ने जी मे कंप्यूटर के
की-बोर्ड पर दौड़ गयी थी-



और चोकर हाउस में -

अरे, अरे, कमाल ही गया !
मकान के कंप्यूटर सिस्टम मेरे
आँखों को स्वीकार करने लगा
है, मैं अभी अपनी कंप्यूटर-
कॉन्स की चोकर को काट
दूँगा हूँ।

जबकि कंप्यूटर सिस्टम
में कुछ खराबी हो
गई होगी, जो अब
ठीक हो गई है।



आइस हूँ, बिना
कॉन्स के तो मैं बिना
काट दूँगे कटारों से
बहुतकर आवां भी
नहीं सकता।



अच्छा हाँ
रहा है, 'टिडल' है,
यानी उसकी डाकिलों
खत्म हो गई हैं।

बिनामी शून्य
होने ही -

अरे! ये... ये क्या? मेरे
आँखों से बिना कॉन्स
कैसे हो गया है?

टिडल



जैसे मेरा कॉन्स खत्म
हुआ है, अब मैं ही मेरे हाँ
भी खत्म हो जाऊँगे।

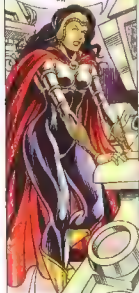
पर कैसे? कैसे?
किसने बहुत किया नारे
मे बहुत कॉन्स को, यह
मे कोई कर ही नहीं सकता
ए। क्योंकि चोकर हाउस
के कटोले सिस्टम ने मैं
अपने शून्य प्रोग्राम की
मदद से चमक रही
ही।

अभी टोक करनी...
ओह! भरा गया पता।
मेरे कंप्यूटर प्रोग्राम
को उसी चिप की
मदद से नष्ट किया
गया है। मैं जिन्हा
नहीं छोड़ूँगी उस
कंबलम की जिससे
मेरा किया है।



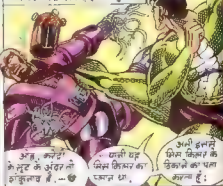
उसका पता
भराकर ही रहूँगी!

महाराज को मारने का यह फनस उसी
काल्पनिक से छीपट किया है, जिसके फनस
मेरी कंप्यूटर छिप रहे उस छिप से
महाराज के बिच को जानकारी भी है,
और महाराज को महाराज की विदेशी
इन्जिनियरों ही मार सकती है। कंप्यूटर
छिप होमिल करके से है उस काल्पनिक को
मारा भी है मकुरगी, और महाराज को
मारने की अवसी इच्छा भी पूरी कर
सकती है... महाराज का बिच बला
कम

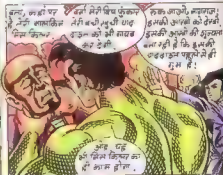


बुंद उस छिप
को मिस किलर। बुंद कि
वह छिप कहाँ है।
बुंदी छिप मेरी
सकसात
उभरी है।

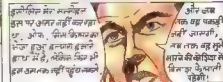
महाराज, कोंडी से बहाई जीन चुका था-



अरे, कोंडी
के मृत के अंदर तो
काकुलव है...
छासी यह
मिस किलर का
पमान था,
अभी इनसे
मिस किलर के
ठिकाने का पता
करना है।



बला, लड़ो पर
मेरी बिच फुकर
मेरी बालकिन
मेरी बचो मुची पाद
मिस किलर
वह को भी साबब
कर देगी।
लक जाओ, महाराज!
हमकी अपलो को देरकी,
हमकी अपलो की गुनगना
बना रही है कि हमकी
उदवाइन पहलपे से ही
गुम है।
अरे यह
मे मिस किलर का
ही काम होता है।



इन्जिनियर मन्नेहल
उस पर अजर नहीं कर रहा
था, ओक, मिस किलर का
मेज हुआ बन्परा हमने
हाथ में है, लेकिन कि भी
हम उस तक नहीं पहुँच सकते।
और जब
तक वह पकड़ी
नहीं जासगी,
तब तक वह मुझे
मारने की कोशिश में
बिना रुक के चाली
रहेगी।

तैयार, अपने कर्मचारियों को मेरा धन्यवाद जरूर दे देना। बिजली बन्द करके कार्टेजी को बुराने में मेरी मदद करने के लिए।

जिसने ये किया है, वह भारतीय कम्प्यूटरीकरण का कर्मचारी नहीं है, वह तो एक बच्चा है, जिसने सचवाला का दल सचवाला बेटा मिलकर:



ओह! पर कैसे?

मैं बताती हूँ, मायाजी, कार्टेजी से पंजर हटाकर के कंप्यूटर सिस्टम पर सकल कर रखा था। वे कार्टेजी बन्द नहीं कर पा रहे थे, लेकिन मेरे बेटे ने अपने प्रोग्राम के जरिए कंप्यूटर सिस्टम पर सकल करके कार्टेजी बन्द कर दिया।



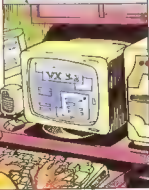
पंजर ऑफ होने ही वह घर चला गया; वह कह रहा था कि उसका कंप्यूटर पर लक बहून उसकी काम है।

मुझे आप अपने घर का पता दीजिए; मैं मिलकर से इसी वक्त मिलकर अपना अपना काम करना चाहता हूँ।



अच्छा! तब तो मुझे उससे मिलकर उसका कृत्रिम अंश करना होगा; वह है कहाँ पर?

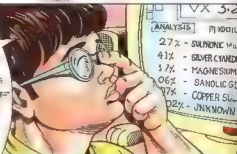
मिलकर अपनी मिली नैब में रहना था।



ओ! जेनेरल! इस प्रोग्राम का प्रयोग करके मैंने मायाजी की जगह बना ली, अब देखना यह है कि इस प्रोग्राम के अन्दर क्या जानकारी भरी है।



अरे! इतने बड़े और
अत्याधुनिक प्रोग्राम में सिर्फ
एक छोटी सी जानकारी भरी
है। किसी रासायनिक मिश्रण का
विश्लेषण है। ये अगर कोई बहुत
स्वयं रसायन होना; मेरे पास इन
रसायनों को बनाने की लगभग सभी
चीजें मौजूद हैं, अभी बसकर देखना
है कि ये मिश्रण आखिर हैं क्या?
पर ये दो परसेंट अंशों का कंपोउंड
क्या है? खैर इसके बारे में
बतल लुंदा!



मेमोरी हार्डस्वर एंड ने लालाजी की विषफुंकार की मेमोरी को जैसे का तैसा हार्डस्वर तो कर लिया
था, लेकिन उसका पूर्ण विश्लेषण कंप्यूटर खुद भी नहीं कर पाया था-

लालाजी से ने लालाजी की मेमोरी
विषफुंकार का मिश्रण बन रही थी,
इसलिए वह फुंकार है वह लालाजी
की फुंकार जैसी ही थी, लेकिन
कंप्यूटर द्वारा फुंकार बनाने की
कोशिश में जो मिश्रण बनना था,
उसका असर क्या होगा, यह कोई
नहीं जानता था-



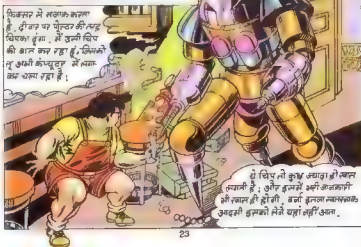
सिमर किलर की इच्छा
भी पूरी होने लगी थी-

ओह! ओह! फिर से
मिश्रण आ रहे हैं, अभी धीप
की स्थिति का मतलब अगर अपने
पसंद को बढ़ा में रखेंगे, और फिर
वह धीप मेरे पसंद होगी! सिमर
गर्ज स्थिति.

पहले ये मिश्रण कहीं
और से आ रहे थे अब कहीं
और से आ रहे हैं!

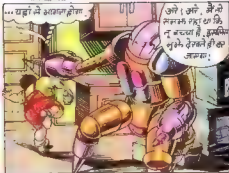
फिकस्वर को
मेजनी हूँ धीप
लाने के लिए!







छिप को लेकर...



... यहाँ से भागना होगा

ओ! ओ! मैं तो
सबसे बड़ा था कि
तू बचता है। इसलिए
मुझे देखने ही का
जवाब!



ये मेरे बच्चों की अकेले बहार
नहीं जाना चाहिए!



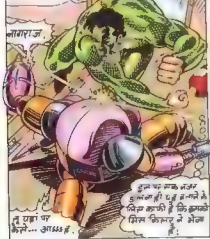
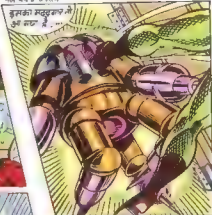
असह्य है! ये मुझे मुझे परेशान
कर रहा है!

ओ तुम्हारे
स्टील के खोले को
भी हल्ला देना!

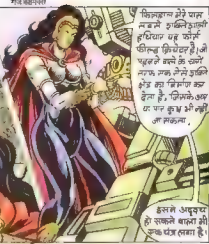
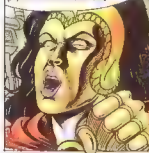


ये स्टील का नहीं, टाईटेनियम
धातु का खोल है। मेरा सामूझी
सिद्ध तुमकी घबराहट को खत्म
नहीं कर सकता। अब मैं तुम्हें
'सिल्लू' कहूँगे तेरी छिप को
ले लूँगा

बड़े छिपछिप खोल, सिल्लू को
ढकते ही कहा होगा झुल हो गया-



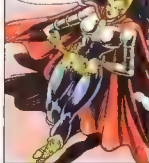
ये चिप मेरे हाथों से निकल जायगी !
फिकर नाराज से बचाकर चिप को
बाँधी ला पाया। मुझे खुद जल होगा।
लेकिन अगर मैं नाराज के सामने हूँ
तो वह मुझे पकड़ लेगा, मेरे पास नाराज
हो बिबले लड़क इन्जिनो अनी नहीं
है; लेकिन जाना भी होगा ही।



किन्तु जान मेरे पास
नबने इन्जिनो अनी
हथियार वह फोर्म
कील्ब क्रियेट है। जो
पहलने बने के खोले
मरफ मरफ मेरे इन्जिनो
क्रेड का निर्माण कर
देता है, जिसके अणु
ए पार कुछ भी नहीं
जा सकता।

इससे अदृश्य
हो सकते बफरा भी
रुक पड़ लगता है।

अब मैं नाराज को जमान
करूँगी; और अगर मेरे हाथों
पहुँचने तक फिकर होऊँ तो
हूँगी तो उसकी मदद से
नाराज को मार भी दूँगी।



नाराज, फिकर की इन्जिनो को
ले धीरे-धीरे समझ रहा था-
लेकिन इसके समझने को
वह नुरान समझ रहा था-

अगर मैं
इतने धीन लू तो लू
मिलने के ऊपर है, वही इसे फिर बगैर
इन्जिनो को लेने नहीं पा
आता था।



इसने मैं
गुमने बापन धीन
सुंदर, नाराज !

मेरी आज की तुमसे
धीनने के बाद

धड़

ओह ! तुमने
मेरी हाथों को
गोंद से जेब
दिखा !

किन्तु कर
विद्या बोम ! किन्तु कर
जीन को किन्तु कर देता है !

अब मेरी नू
मर्ष छोड़ पायगा, ओह न
ही धुंमे चला पायगा !

लेकिन विद्या किन्तु छोड़ने
से नू मुझे कैसे लेकेला,
किन्तु न ?

धड़

धड़

आ 555 है

आ 555 है

सैमे, सावधान !

ऊम्मम, ऊम्मम !

विद्या किन्तु पहाले भी
मुझ पर ऐसी ही चिपचिपी
इन्तिरोपों वाले बिल्लियों से
हमका कारक चुकी है,
लेकिन इस बार के गोंद की
जकड़ बहुत इन्तिरोपानी
है ! मैं इन बंधनों को
लेव नहीं पा रहा हूँ !

धड़

नवपता बेकाब है, सागराज
अब बना नु ये देव कि मैं
कैसे तेरे हाथ से कंप्यूटर
चिप को ले उठाना हूँ.

सिंह
का

सागराज दीवार से टकलाछ, और-

सागराज का काग़ीर चिपचिपे ध्रुव के स्त्रोत्र
से टककर दीवार से चिपकना वाला गया-

सिंह

और आगले ही पल
डिल के छेद के अंदर
कंप्यूटर चिप सागराज
के हाथ से खींचली
गई-

और उसी पल डिल से
हुआ छेद भी भर गया

हा हा हा, सागराज:
अब तू हम घुटने
से मरेगा! क्योंकि
मेरे स्त्रोत्र ने मेरे
नाक और मुँह को
भी टक छिपा है:
और इस स्त्रोत्र को
नू मोड़ नहीं
सकता

धन्य है पर
हैं, तेरी लाइफ़ का हार
घटाने बापस जरूर आऊँगा

'हार' तो तू म अभी लेने
जाओ, किल्लर!

कौन?



तुम्हारी हार!
- कपराज -

तु... तु... तु... पर
है तो हीकर पर कौन चिपका
हुआ है ?

मिर्क तुम्हारे गेद का
चिपचिप स्नेह में बिल टूटा बनल
तब घेद से इच्छाधारी कणों में बल-
कर अलख हो गया !



यह... यह... हो ही
सही सकता था !
हमको तुम्हारी
मरी अकलिया
पता है
तैद का तोल
तुम्हारी नयन से
चिपका हुआ था !
हमनीमिर्क तुम्हारे
साथ साथ उल्लेखी
कणों से बहल
आलः जहिल
था

अकर बहल
आलः, उल्लेख बहल
से जुड़ा होल तो !
इसमें भी
तुम्हारे ही मेरी
समर की है !



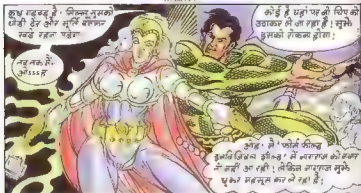
मैंने मैंने उम्समक
कैसे ?

मेरी छाती
पर एक चीज
भगाकर !



तुम श्री के कपराज और चिपचिप
में अपनी केचुली जोल खल केचुली
धोड गल
के संपर्क में रहने
के कारण मेरे छीर
से आसरा हो गया,
और कणों में
मही बहल पल

अरे : ये चिप
अपने आप हवा में कैसे
उठ गयी है ?



कुछ गड़बड़ है। मिलन तुमको
छोड़ी देर और सुनि बोलना
सबसे रहना पड़ेगा

कोई है यहाँ पर जो चिप को
उठाकर ले जा रहा है! मुझे
तुमको रोकना होगा!

नव तक है-
और 555 है

अरे, जै! जोसे कील्ड
तुमने जिनसे कील्ड में नाराज को नकार
ने नहीं आ रही! लेकिन नाराज मुझे
धुकर महसूस कर ले रहा है!

मुझे धुपचाय यहाँ से बिल्कुल
मिलेगा और साथ ही साथ
चिप को भी। जोसे कील्ड के
अंदर ले लेनी हूँ, ताकि नाराज
चिप को देखकर मेरी स्थिति
का अंदाजा न लगा पाये



चिप भी साथ ही
सूई! अब तक ही
सही है इस अवस्था
जोरी की देखने की।

वह भागेगा ले
दुपचाय की तरह
ही। चिप तुम्हारे
धुने से वह सारा
ले जा आ जाएगा



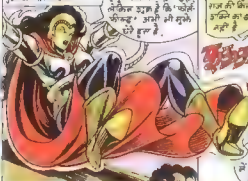
अरे, यह तो सिल
किलर की अकुमिलरमी
चलो अरे हा हा हा
के नुन लुट लाने आ
के, वहाँ से जाने नुन लुटे
अनुद्ध के पता लगाने के
सिल किलर को किलर
पिटना पड़ेगा



गिरने से पहले उस भट्टके ने
मिस किलर की बेल्ट के बलुके
पुर्ण को हिला दिया-

ओहसह मुझे उधु उध
सबसे बाले कटोस की
दृष्टि से रक्त हो गई है।
लेकिन डुक है कि 'कोर्स-
कीकड' अभी भी मुझे
छेरे हुए है।

और जब तक 'कोर्स
कीकड' काटस है,
सब तक मुझे नर
राज की किली में
डामि का हर
मही है



कुकड



विधली बार तो नू
मुझे धोका देकर भाग गई
थी, और तेरे पीछे जाने के चक्कर
में डंकु साध भी मेरे हाथ से निकल
कर भाग रहा था।

लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा
मेरी विश डामिगा तेरे 'कुर्ली कबच
को पार नहीं कर सकती, लेकिन मेरी
सर्प शक्ती 'कुर्ली कबच' को जकड़
असर सकती है! और कुर्ली कबच
के साथ-साथ नू भी जकड़ी
जाएगी मिस किलर!



अब नूस तक
मेकंड की पुर्ण संधक
हुनकर का रहे

... तो नूसको हुनकर का
हाथीय बोलने की जरूरत
ही नहीं पड़ती,
सागराज



जब से
भी भागती है
नागराज!



ओहसह
इसकी 'कोर्स
कीकड' तो भट्टके
में भागती

लेकिन फिराहास में वहाँ पर
सककर तुम्हें जल से मारने का
सबतल सोच नहीं लूँ। क्योंकि
मेरे हाथ नेगी निडरित मौस
का नगीका मार गरा है। अब
तु वे सोचकर जीना कि हर
दिन नेगी जिन्दगी का अन्तिमी
दिन है।

तो मैं नेगी
उन्कि ने नुम्हें
गेकुंर

हसी हाथ मे
नू गोंद छोट हा
उ न



ओ, तुम्हें है मारकर
क कि गोंद और गोंद
का छोटने हसी के हाथ
हसी हाथ के अन्दर है
और तुम्हें उन्की दृष्टि
मे मरत गोंकल भी
नहीं पहा :

मेरी
मार उन्किपा
मर नुम्हें गेक
नहीं मरानी
पिज किपा

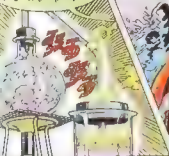


आइस है आइस है !
वे कण किपा नुम्हें, मुम्हें मेरे
मि गोंद की मरत मे दीवार मे
चिपका दिया है !

मैं, 'मिस्टर किंग' अब तु
'फोर्स फील्ड' के अन्दर
हूँ या बाहर, तू मेरी गिरफ्त
में आकर ही रहेगी।

आज तुझे के सिवा मुझे
'फोर्स फील्ड' से बाहर
तो आना ही पड़ेगा,
लाराज

लेकिन फिर भी मैं
मेरी गिरफ्त में नहीं
आऊँगी



...परिणतः अब तु पिचड़ों
में डूबने वाला है! ये
'मेडा' 'लाराज' तुझे
किसी भी रूप में मार नहीं
सके, चाहे तू मरणात्य रूप में
हो या बुद्धिधारी अकृति
रूप में!

हम राज ने मेरी अकृति को पहचान
लिया है, अब ये 'लाराज' मेरी पीछ
पिचड़ों में डूबने के बाव ही छोड़ेगी



ओह! इस राज
के सिद्धांत ने मेरी
मन ही अकृति
को पहचाना है...

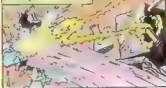
...लेकिन मेरा मरणा
त्य रूप भी है,
जो ये राज नहीं
जानती...

.. 'मेरा मरणात्य रूप'!



अब यह किण्व
मैंने दूँदली रह
जाऊंगी

लाराज की ललाट में 'लाराज' ने 'पूरी लैंग' में नहीं अकृति लगी -



लेकिन सागराज अभी तकने मे
बाहर नहीं आ पाया था-

तु नगराज मे बतुलकर भी
सही बच सकता, सागराज जब
तक ये राज मेरे हाथ में है, तब
तक राज के कैमरे के जरिये वह
किरण मेरे मयूररूप को दुबली प्रेहेरी,
और घट किरण मेरे नगराज का पीछा
करेगी, अब या तो तु नगराज मे
भरेगा या मयूर रूप मे : जैसी
मौन चाहे, चुन मे !



अब तो होने
मरण मे मौन है,
हमने तो बचा करे

जब तक राज
मिम किरण के हाथ मे है,
तब तक... आह...

-- राज को मिम किरण
के हाथों मे गिर
वैता है :



ओह, तु
मुझे काटल
चाहता
मे किन मे चिर
मे ऊर्जा कबल
पहन चुकी हूँ,
मेरे राज मेरी
मौन मे निकलने
पहुंच सकने

और उसी वक़्त सागराज का
नगराज का हाथ पर मे हट
गया -



'उर्जा बोस्ट' ऊर्जा किरण
की भेदन चला गया-

ओह ! राज गिर पड़ी ! अब
'बोस्ट' बोस्ट ने क्या पीछा
कल्ला छोड़ दिया है.

और इस बोस्ट की वजन
मे हल डाँटें मर्कट मे म
ऊर्जा कबल भी लफ
मे गण है.



नगराज का पीछा करनी नगराज
किरण 'मिम किरण की लकड़ की लफ, बढी-



अब तुम हार
हई हो. ओह,
दुसरा बोस्ट लफ
होने. होने भी
उस बोस्ट मे
टकरा गया है-

हीकर के दूटने लीं, हीकर में भरा रहस्यमय छह, रौस के हादलों में बरसने लगा-

और इस रौस का मुख निराल हीकर के लबमें 'कम नहीं' जिस किनार बसी-

आऽऽऽह, आऽऽऽहः

इस रौस की महक मे मेरी छिप फुंकार जैसी है
नकाजः और... इसका अंश भी बेस... ही है!

जिस किनार लचक रही है, यह मेरी छिप फुंकार ही है लेकिन मेरी फुंकार यहाँ हीकर में कैसी आर्तु २ है... इस घातक फुंकार में मिलान को बचाता होरा क्योंकि यह अपने आर्तु तो भला नहीं सकता

लेकिन-

ओह, नहीं फुंकार मिलानक गुरा चुकी है, मिलान, मिलान, अगर नुस होड में हो तो मुझे जक हो, होली

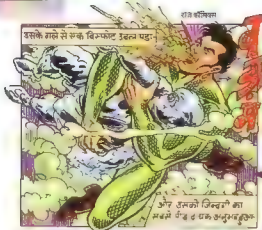
कौडू जकब नहीं, घाली मिलान केही ५ हो चुका है, अल-बास कैली फुंकार को मैं अपने फेफड़े में लींच लेता हूँ, ताकि कहर से आने बस मिलान पर इसका और अंश न हो.



महरज हार फुंकार, केही में लींचने ही-



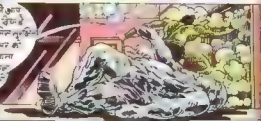
उसके गले से रुक बिस्फोट उड़ता पड़ा-



और उसकी जिन्दगी का सबसे बड़ा दुःख उभर आया-

असह्य, प... प...
क... था > मेरी ही जैसी फुकार मेरे कारीर में आकर बिस्फोट कैसे करा सकती है-

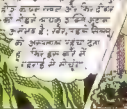
सबैर, इस धमके ने अपने आप मुझे लम्बे से बाहर फेंक दिया है अब मिलने कुछ देर के लिए मुश्किल है! तब तक मैं सिर्फ किस्म की इस घातक फुकार से बचना हूँ! ... इस से ध्यान रखना होगा कि अब मैं गंम में न हूँ।

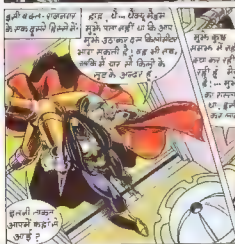
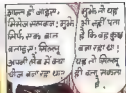
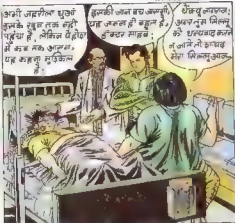


कुछ ही पलों में लारागज ने उस लोड को कोसों कोसों तक दूर भेज दिया-

वेदों ने टूटने लगे हुए बहुर जिक्र के रूप में उसे उलट दिया। इस घातक घुर्ने में नौक कचन लपल और फिर टूटने को लोडने का एक उल्लिखित अनुभव उभरता है: सबैर, वह जो सैमन को अकस्मात पहचान टूटा है, फिर हम कारी में गहराई से सोचेंगे।

अकस्मात में नुस मिलने को वकन पर है अलग, लारागज,





देख, मेरा क्या हाक बना दिया है, मेरे मुँह पर चेहरे को बदसूरत
उस समूह के धुंसे ने, जहाँ बल देता है सब को गहा है कि
मेरे सेकें-सेकें में धुंसा गया है, मैं अपने ही चेहरे को रोच बना



मैडम, मैडम! आप तो
मगर ज मे भी जगदा कल्लिगाली हो चुकी हैं।
मैं तो मैं किलो बजन उठाकर दस किलोमीटर
दौड़ सकती हूँ; विस्फोटक बिस्फुंकार छोड़ सकती
हूँ, और कला-कला कल्लियाँ हैं आपके पास ?



सागराज इस गुन्थी को मुलका
लहीं पा रहा था-

बुनने मिलिन कपड़े
हो, सागराज? मिस
किलर अगर बच गई
होगी तो बुनी जरूर से
छाया होगी! अज नहीं तो
काल बह पकड़ से आती
जमानी!



नहीं, भागनी!
छाया हाथसे
ठीक तैयार
नहीं आ सकता!
किलर तो चाय
की हालत में भी
नहीं था, उसको
भी उठाकर ले
जाने वाली मिस
किलर छाया
तो कतई नहीं
हो सकती!

अगर मिस किलर
बच गई है तो वह है
कहाँ?

अगर
बह इस सड़कोपि
को अपने साथ ले गई है
तो जल्द इसकी मदद
में कोई मजदूरों को
इधर बल नहीं
होगी



गालन...
... मिस किलर इधर
बल नहीं रही है...



... बहिन बह
मुद सक इशाल
बल शुकी है

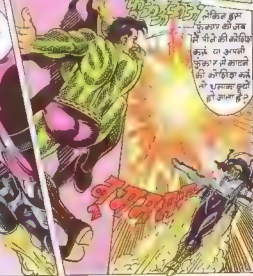


मिस
किलर!



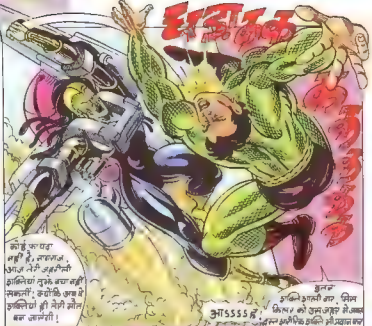


ये इन्जिन मुझे तेरी ही
मेहरबानी में मिली है मगर ज
तुने अपनी चित्त की खुद ही सजा
लिया है। चाद है वह बीकर, जिनको
तुझे दूदने वाले 'मलामटर बेल्ट' ने मेरे
पास तोड़ दिया था। उसी निधेन धुल ने मेरे
आँखों में घुसकर मेरे आँखों को बंदमूला
बनाकर मुझे ये असीस इन्जिन
प्रदान की है...



लेकिन इस
फुंकार की जब
मैं पीने की कोशिश
करने या अपनी
फुंकार में काटने
की कोशिश करने
तो धमका सुनो
हो जाता है?

हड़ताल



कोई फायदा नहीं है, नाराज आज मेरी जड़मिली हड्डियां तुम बचा नहीं सकतीं! क्योंकि अब ये हड्डियां भी मेरी शक्ति बन जाएंगी!

तुमने हड्डियां तो मिस किया वो उस जगह से जहाँ तुम हड्डियां हड्डियां और प्रवाण कर दी है.

आऽऽऽऽ

होकर सड़कपट्टे से पड़ने ही नाराज के हाथों को मिस किया के बड़ने संतु अपनी सपेट में ले चुके थे-

अब तुम संतुओं से निकलकर मेरे शरीर में डूबना अगर, मेरे शरीर के अंदर से मिलेगा, और मेरा शरीर, कर्मियों की छाटी बन जाएगा!



बेहिमानी धमके होंगे तबे
हारीर के अन्दर, और नेरा
हारीर हुआ अने गुब्बारे की
मजह फट पड़ेगा।

ई SSSSS

कुछ धापी दामि का
प्रयोग करवा होगा।

तभी-

बाह, मैं हल
मुझे पता नहीं था
कि आप किछल के
बाकू में इतना अच्छा
हिंसावा बड़ा लेनी
हैं।

कैसे कहें ?
कैसे एराज के जिन का अन्त ?
आ SSSSS, सारी जलें फटनी
मी सब मूल हो रही हैं।

आ SSSSS हैं!

प्रेमिटर, मिठा, प्रेमिटर, मैं तो लकड़ी भी दीवार पर टांगकर, दूर से धाक मारकर ही काटती हूँ।

कुछ भी कहिये मेहम! आज अपने मरनाउकी जान बचा ली।

तुम्हें किंगडम से बचा लिया नागराज, लेकिन तू जकड़ा देर नहीं बचेगा स्वयं कर दूंगी मैं तुम्हें।

मिर्क कुछ देर के सिम 'मिठा': अपनी जान तो नागराज को खुद ही बचा ले रही।

अगर तंत्र-मंत्र के रक्कस होना तो मैं ही केसबंद बन कर आती, लेकिन यहाँ पर तो वैज्ञानिक इन्जिनियर नागराज से लड़ रही है!...

ओह! घाती नागराज को अभी तक पता नहीं है कि वह लड़का क्या बना रहा था। वह कैम्बुटर चिप भी लुहाई के दौरान हट गई थी; मैं तो उस लड़के के बारे में भुल ही गई थी। उसको पता है इस मिश्रण के बारे में: वह मुझे बनाकर इसका फॉर्मूला।

नागराज को मैं अपनी इन्जिनियों की काट नहीं बना ले दूंगी; पहले नागराज को मार दूँगी, फिर उस लड़के से इस फॉर्मूले की काट बनाकर नागराज हो जाऊँगी।

तुम्हें भी मुझसे मिर्क मेरी किंगडम बचा रही है सिम किलर, मिलनू अभी तक बेहोश है, वहाँ मुझे उस मिश्रण की जलकारी सिम चुकी होती, जिसने तुझे इन्जिनियर की है।

और मैं मेरी इन्जिनियों की काट मोड़ चुका हूँ!

लेकिन इसके सिम मुझे उस लड़के को मुझसे असमर्थता से उठाना होगा।

लेकिन वह लड़का है किंग असमर्थता से?

सिम किलर भाग रही है!

मैंने इसको मिलनू का ध्यान दिया देखा है, ये ऊपर उसी के पास जा रही है!

सही मसला नु नारायण, मैं इसका
अपहरण करके ले जाऊँगी, और उससे
जहाँसे सिखा का पैसा चल करेगी
किर सेरे नम अपनी जहमीरी मेला होना
नारायण: और फिर कुछ दुखिया पर
राज होना मिस किलर का!

नारायण
मेरी मेलाकिया
में बर चला-

मुझे मिस किलर से पहले
अपघातक पहुँचना होगा,
मिस किलर अगर मिस किलर के
हाथ लग गया तो मुझे उसकी
हाथिनी की कूट करनी होगी
मिसरी। और वह मचमुच
दुखिया को अपने कब्जे में
कर लेगी।

नीचा
नीचा- वह मे
पहले पहुँच रहा
मिस किलर अपने
लक चढ़ा- पहुँच
नहीं पहुँच पाया

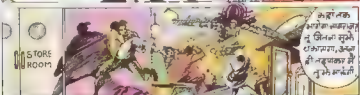
नारायण
मिस किलर को अपने
लक होऊ नहीं
सकता

मेला करनी
सही होगा, मिस
किलर: मुझे मिस
करनी सही मिसरी
करनी होगी।

अब
इसके लिए कोठ
भी मछल मुरभिन नहीं
है, नारायण:

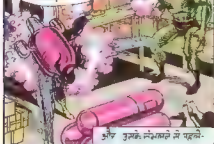
कोठ बन रही
मसला नु इसको
उसे किनो मुरभिन
मछल पर ले जाया
होगा:

मिस
किलर
अपघात नु
उहाँ लक पहुँच
ही नहीं



ये कहूँ दुबड़ों का सिला कुल्-
चूर्ण है, जिसकित्तर दुम पर
मेरा जहर न लगी, तुलमें मे-
दुबड़ तो आकर करेगी ही
करेगी।

सिल कित्तर लहलहाई-
हई-



और उसके संभालते में पहुँचे-

लाभराज ने उसको सर्जिकल ट्रेप में जकड़
दिया-

अब तु किसी
कुत्ते का प्रयोग
कर पायगी,
जिस कित्तर।

मेरा लेला
सन्तुष्ट हो गया-

तु दुल बंधने
में घुट नहीं
सकेगी-



चाहो, तु मुझे सिल
जेल का खामोश कसरा
हूँ लज्जत कर रहा
हूँ।

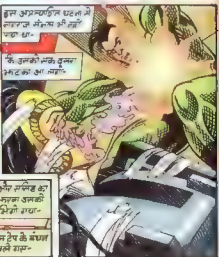
उत्सवभक्त-



सिल कित्तर लेके चरक भरेकी-

हम अप्रमत्तचित्त घटल में
लाभराज में भक्त भी लगे
पड़ा था-

कि उसकी लंके तुमरा
भरत का आ लगी-



और रस्मिह का
भरत उसकी
झिरो गया-

सर्जिकल ट्रेप के बंधन
गलते चले गए-

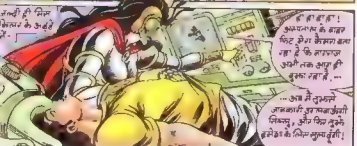
और उसने ही पता, स्टोर कम
आवा की लाटों में धड़कने लगा-



तो उनको बचा
ले, नागराज!

ओकू!
ये क्या किया
तुने, अस्पताल
में भर्ती लाचार
मरीजों की जान
तुने स्वयं में डक
ली है.

तुम्हें पता है कि तु आवा की
काबू में कम लेगा. लेकिन ये काम
करने में तुम्हें बकल लगेर, और
तु मेरा पीछा नहीं कर पाया
और मैं आवा में हूँ जिससे
को लेकर अपने अकूते तक
पहुँच जाऊँगी!



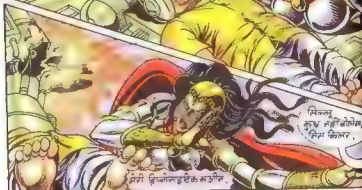
मल्टी ही सिम
मिलान के अकूते
में -

हो हा हा हा!
अस्पताल के बाहर
फिट सेग कैसा बला
गया है कि नागराज
अभी तक आवा ही
बुझा रहा है,...

... अब मैं तुम्हारे
जानकारी पर सज्जगी
सिक्कू, और फिर तुम्हें
हमेशा के लिए सुना दूँगी!

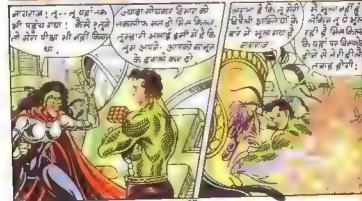


बापूओ मिल्लु ! मेरी 'हिप्पोजोन्ट्रिक मशीन' तुमको दीद मै ही मरणाई बोलावे पर मजबूर कर देगी ! बापूओ, उम रहस्यमय कंप्यूटर थिप में क्या फोर्मला भरा था . बेओSSS बीSSSS ली SS SSSSS



मिल्लु कुछ नहीं बोलेम, सिम किलर .

मेरी हिप्पोजोन्ट्रिक मशीन .

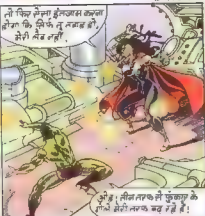


मोरागज ! नू... नू यहाँ तक भी पहुँच गया ! कैसे ? नूने लो मेरो पीछा भी नहीं किया था .

ज्यादा सोचकर विमर को नकलीक सम दो सिम किलर . तुम्हारी भलाई इसी में है कि नुम अपने आपकी कानून के इलाके कर दो

सबम है कि नू मेरी धिपेरी इन्जिनियों के बारे में भुला गया है लवराज

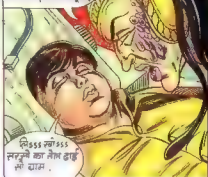
मै भुला नहीं हूँ . लेकिन नू ये भुल रही है सिम किलर . कि यहाँ पर डिमोस्ट्रेशन में मै ही नूने नबाह होगी !



ये विस्फोट मेरे चिपड़े उड़ा देंगे, लेकिन मैं तेरी मरती अंतर्गत के जानने ही मिलूंगी। मैं वह फॉर्मूला उद्घाटन भी भूँगी, और वह मिश्रण भी तैयार कर लूँगी। नष्ट होने- होने भी मेरी। 'विस्फोटक टैंक मशीन' में मिश्रण के विस्तार पर कुनला अमार लो कर ही दिया है कि वह मुझे मिश्रण का फॉर्मूला बता दे।



बोस, मिश्रण, बोस!
बना गया है वह फॉर्मूला?



सिऽऽऽ लोऽऽऽ
सरस्वती का नेत्र टूट
गया।

सरस्वती का नेत्र, लक्ष्मण
के जख्म में सरस्वती का नेत्र
होता है? उल्टा होता होता
विस्फोटक टैंक के विस्फोट
में आया बंधा भूत नहीं
बोस नेकना!
अरे बोसो
मिश्रण आगे
होना



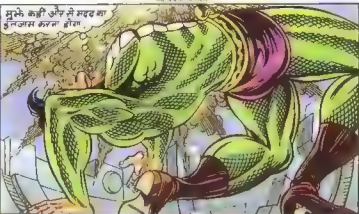
जिन किशोर,
फॉर्मूला हासिल कर रही थी-

और लक्ष्मण नेत्र के करीब
पहुँचता आ रहा था-

ओऽऽऽहो!
मैंने इस स्थिति
की कल्पना नहीं
की थी



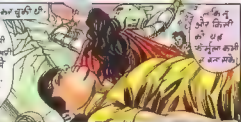
अह! मे मुझे मदद की
उम्मीद थी, अब वहाँ मे
मदद मैं नहीं ले सकना!



मुझे कहीं और से मदद का
सुलझास करना होगा।

मिम कितना पूरा फोर्मूला हासिल कर चुकी थी।

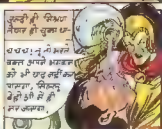
हा हा हा : कोरुं मोच भी नहीं
सकता कि स्वाराज का अह्वर, यानी
दुनिया का सबसे तेज अह्वर इन सभी
चीजों से मिलकर बनता होगा, मैं
इसको मिलाकर अह्वर बनाऊँगी,
तुरन्त बनाऊँगी और उसी अह्वर
से तेरा स्वास्त्य कर दूँगी, मित्रम्।



किन्तु
और किसी
को यह
फोर्मूला कभी
न बन सके।



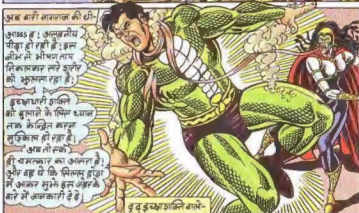
ओ ! यही मित्रम् मेरा
अह्वर बना रहा था, लेकिन
यह फोर्मूला उसकी मिया
कहाँ से ? कहाँ से आई
थी वह कण्टूट चिय ?



जुल्ही ही मित्रम्
नेयर हो चुका था-

घ घ घ : नृ नो मरते
वक्त अपने भाइयों
को भी छुड़ नहीं का
वास्तव, मित्रम्
देहो डी से ही
मेरा जन्मवा,







निर्भर कुछ साँपों के भिन्न किस्म!
लेकिन यह तुम्हारी जीत नहीं,
हार की शुरुआत है! क्योंकि
ये धमाके बालूतब मैं तुम्हारी विधैली
आँखों लपट होले के संकेत हैं! तेरा
विष तुम्हारे विष की घातक क्षमता
को लपट करके अपने जैसा बना
रहा है!



असह्य! लचमुच! मेरी...
मेरी आँखों फिर से पलकें
जैसी हो रही हैं! घाली विष
लपट हो रहा है! धैर्य,
नाराज! धैर्य!

तुम मुझे कोसने के बजाय
धन्यवाद दे रही हो! तुम्हारे
सकल तो मुझे मारना
था!

तुमको तो मैं फिर कभी
भी मार सुंगी! लेकिन तुम्हें
लपट के भिन्न उसके रूप से
बदकर कुछ नहीं होता!
तुमने मेरा रूप मुझे... अह...
वापस दिलाया है! इसके...
भिन्न... धन्यवाद...
अह!



इसका जहर तो उमर गथा!
लेकिन जहर के प्रभाव से ये बेहोश
भी हो गई है! इसको पुनर्निश्चय
लेजने के साथ-साथ मैं भी
आन्तरिक मिलन को धन्यवाद
भेज रही हूँ!



और-नाराज का वह अनोखा धन्यवाद
मिलन को मिल गया-



इसका रूब रूब धन्यवाद भेजने
के भिन्न धन्यवाद, नाराज अंकल!